

# NCD EX

Pragati ka Solid Exchange

ऑप्शंस



# ऑप्शंस

ऑप्शन एक वित्तीय डेरिवेटिव होता है, जो एक पक्ष (ऑप्शन राइटर) द्वारा दूसरे पक्ष को (ऑप्शन होल्डर) बेचे गए कॉन्ट्रैक्ट का प्रतिनिधित्व करता है। यह कॉन्ट्रैक्ट खरीदार को एक तय कीमत पर (स्ट्राइक प्राइस) एक निश्चित समयावधि के दौरान या एक निश्चित तारीख पर (एक्ससाइज डेट) कोई सिवयोरिटी या अन्य वित्तीय इंस्ट्रूमेंट खरीदने (कॉल) या बेचने (पुट) का अधिकार देता है, हालांकि उसे खरीदना या न खरीदना और बेचना या न बेचना उसकी इच्छा पर निर्भर करता है।

## 1.1 कॉल ऑप्शन

कॉल ऑप्शन एक निश्चित भाव पर खरीद का विकल्प देता है, इसलिए खरीदार चाहता है कि कमोडिटी की कीमत ऊपर चढ़े। इसके उलट, यदि कमोडिटी का बाजार भाव स्ट्राइक प्राइस से ऊपर चला जाता है तो ऑप्शन राइटर (बेचने वाला) को अंडरलाईंग कमोडिटी की डिलीवरी देनी पड़ती है। एक ऑप्शन राइटर, जो कॉल ऑप्शन बेचता है, मानता है कि ऑप्शन की कालावधि में अंडरलाईंग कमोडिटी की कीमत स्ट्राइक प्राइस के मुकाबले गिरेगी, क्योंकि ऐसा होने पर ही उसे अधिकतम लाभ होगा।

## 1.2 पुट ऑप्शन

पुट ऑप्शन एक निश्चित भाव पर बेचने का विकल्प देता है, इसलिए खरीदार चाहता है कि कमोडिटी की कीमत गिरे। पुट ऑप्शन के राइटर पर इससे ठीक उलटी बात लागू होती है। उदाहरण के लिए, पुट ऑप्शन का खरीदार अंडरलाईंग कमोडिटी पर मंदी का दाव लगाता है और मानता है कि ऑप्शन की कालावधि में या किसी खास तारीख तक अंडरलाईंग कमोडिटी की कीमत स्ट्राइक प्राइस से नीचे गिरेगी। दूसरी ओर, एक ऑप्शन राइटर (बेचने वाला) जो पुट ऑप्शन को शॉर्ट करता है, मानता है कि अंडरलाईंग कमोडिटी का भाव एक्सपायरी की तारीख पर या उससे पहले एक खास स्तर तक बढ़ेगा।

**श्रेणियां : एक्सपायरी के आधार पर**

**अमेरिकन और यूरोपियन**

अमेरिकन और यूरोपियन ऑप्शन के बीच मुख्य अंतर इस बात से होता है कि किसी ऑप्शन को कब एक्सरसाइज किया जा सकता है।

यूरोपियन ऑप्शन केवल एक्सपायरी की तारीख को ही एक्सरसाइज किया जा सकता है, यानी पहले से तय एक निश्चित समय पर।

दूसरी ओर अमेरिकन ऑप्शन एक्सपायरी की तारीख से पहले कभी भी एक्सरसाइज किया जा सकता है।

**उदाहरण:** एक निवेशक सोयाबीन की यूरोपियन कॉल 1 सितंबर को खरीदता है जो सितंबर के तीसरे शुक्रवार को एक्सपायरी होना है। सितंबर के दूसरे हफ्ते में अंडरलाईंग परिसंपत्ति की कीमत स्ट्राइक प्राइस से ऊपर हो जाती है।

**इंट्रिंसिक वैल्यू और टाइम वैल्यू क्या हैं?**

ऑप्शन प्रीमियम के दो घटक इंट्रिंसिक वैल्यू और टाइम वैल्यू हैं।

**इंट्रिंसिक वैल्यू:**

- वह रकम जितने से कोई ऑप्शन इन द मनी होता है।
- परिभाषा के मुताबिक, केवल इन-द-मनी ऑप्शन में इंट्रिंसिक वैल्यू होता है।

**इंट्रिंसिक वैल्यू (कॉल) = अंडरलाईंग प्राइस – स्ट्राइक प्राइस**

**इंट्रिंसिक वैल्यू (पुट) = स्ट्राइक प्राइस - अंडरलाईंग प्राइस**

**टाइम वैल्यू**

- यह ऑप्शन के भाव का एक हिस्सा होता है, जो कि उसकी एक्सपायरी के समय पर आधारित होता है।

- यह ऑप्शन की कीमत से इंट्रिंसिक वैल्यू को घटा कर ज्ञात किया जा सकता है।

- यदि किसी ऑप्शन में कोई इंट्रिंसिक वैल्यू न हो (अर्थात, आउट-ऑफ-मनी), तो इसका पूरा मूल्य टाइम वैल्यू पर ही निर्भर करता है।

**टाइम वैल्यू = प्रीमियम – इंट्रिंसिक वैल्यू**

**ऑप्शन मनीनेस क्या है?**

**ऐट द मनी ऑप्शन (ATM)**

- एक ऑप्शन जिसका स्ट्राइक प्राइस अंडरलाईंग सिक्योरिटी के बाजार भाव के बराबर हो।

**इन द मनी ऑप्शन (ITM)**

- कॉल ऑप्शन के लिए, इसका मतलब है कि अंडरलाईंग सिक्योरिटी का बाजार भाव ऑप्शन के स्ट्राइक प्राइस से ज्यादा है।
- पुट ऑप्शन के लिए, इसका मतलब है कि अंडरलाईंग सिक्योरिटी का बाजार भाव ऑप्शन के स्ट्राइक प्राइस से कम है।

**आउट ऑफ द मनी (OTM)**

- कॉल ऑप्शन के लिए, इसका मतलब है कि अंडरलाईंग सिक्योरिटी का बाजार भाव ऑप्शन के स्ट्राइक प्राइस से कम है।
- पुट ऑप्शन के लिए, इसका मतलब है कि अंडरलाईंग सिक्योरिटी का बाजार भाव ऑप्शन के स्ट्राइक प्राइस से ज्यादा है।

बाजार परिदृश्य	कॉल ऑप्शन	पुट ऑप्शन
बाजार भाव > स्ट्राइक प्राइस	इन-द-मनी	आउट-ऑफ-द-मनी
बाजार भाव < स्ट्राइक प्राइस	आउट-ऑफ-द-मनी	इन-द-मनी
बाजार भाव < स्ट्राइक प्राइस	ऐट-द-मनी	ऐट-द-मनी
बाजार भाव < स्ट्राइक प्राइस	नियर-द-मनी	नियर-द-मनी



# मौलिक परिभाषाएं

## एक्सरसाइज

- यह तब होता है जब ऑप्शन का मालिक कॉन्ट्रैक्ट में तय अधिकारों का इस्तेमाल करने का फैसला करता है
- सरल शब्दों में, ऑप्शन का मालिक स्ट्राइक प्राइस पर अंडरलाईन कमोडिटी खरीदता या बेचता है और ऑप्शन विक्रेता से ट्रेड का दूसरा हिस्सा क्रियान्वित करने को कहता है

## प्रीमियम

- यह ऑप्शन का कुल खर्च होता है
- एक ऑप्शन धारक एक्सचेंज में ऑप्शन को एक्सरसाइज करने के अधिकार, न कि मजबूरी, के बदले ऑप्शन राइटर को प्रीमियम देता है

## स्ट्राइक प्राइस

- यह वो कीमत है, जिस पर दोनों पक्ष ऑप्शन को एक्सरसाइज करने पर सहमत होते हैं
- कॉल ऑप्शन के लिए स्ट्राइक प्राइस वह कीमत है, जिस पर सिवयोरिटी खरीदी जा सकती है; पुट ऑप्शन के लिए स्ट्राइक प्राइस वह कीमत है, जिस पर सिवयोरिटी बेची जा सकती है

- स्ट्राइक प्राइस को ही कभी-कभी एक्सरसाइज प्राइस कहा जाता है
- ITM/ATM/OTM

## राइटर

- वह निवेशक जो ऑप्शन बेचता है और खरीदार से प्रीमियम वसूलता है
- यदि धारक ऑप्शन को एक्सरसाइज करना चाहता है, तो राइटर को खरीद या बिक्री का अपना वादा निभाना होता है

## धारक

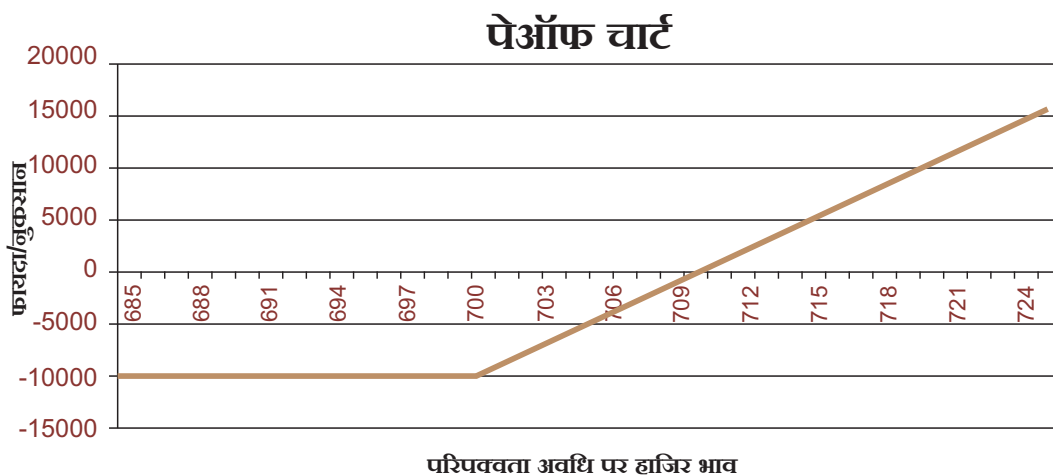
- वह निवेशक जो ऑप्शन खरीदता है और राइटर को प्रीमियम का भुगतान करता है

# फायदा/नुकसान

## स्थिति 1 : कॉल की खरीद

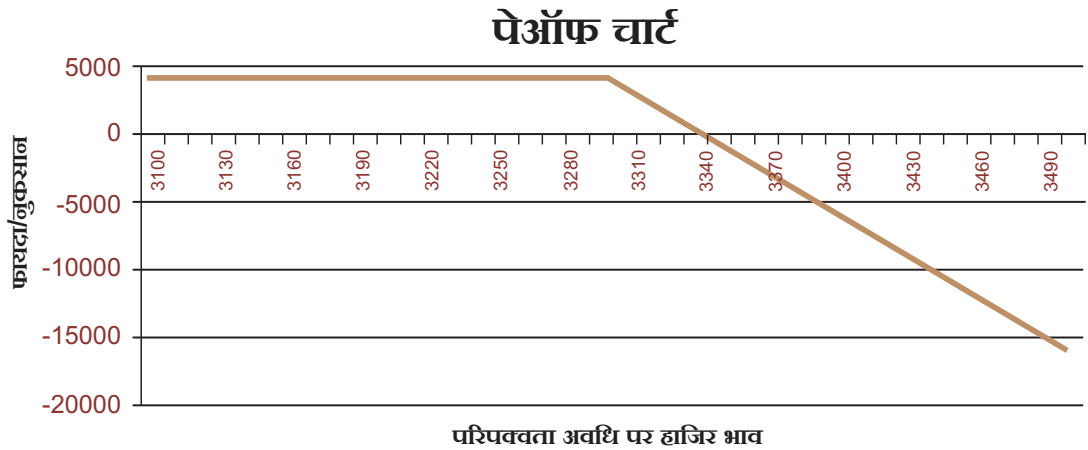
सोया ऑयल के एक ट्रेडर के पास दो महीने बाद की डिलीवरी का ऑर्डर है। इस अवधि में अपने मूल्य जोखिम को हेज करने के लिए उसके पास निम्नांकित विकल्प हैं:

- ❑ वह मंडी से सोयाबीन खरीदता है और उसे दो महीने तक भंडारण में रखता है। इस स्थिति में उसे इवेंटरी खर्च, भंडारण खर्च, ब्याज खर्च और भंडारण से जुड़े दूसरे खर्च वहन करने होते हैं।
- ❑ वह एनसीडीईएक्स पर दो महीने बाद एक्सपायर होने वाला वायदा कॉन्ट्रैक्ट खरीदता है। इस स्थिति में उसे मार्जिन और मार्क टू मार्केट (एमटीएम) के लिए एक निश्चित फंड सुरक्षित रखना होता है।
- ❑ यदि ट्रेडर न तो भंडारण से जुड़े खर्च में पैसे बर्बाद करना चाहता है और न ही अपने फंड का एक हिस्सा ब्लॉक करना चाहता है, तो वह किसी एक स्ट्राइक प्राइस (मान लें, 700 रुपये) का, जो उसकी जरूरतों के हिसाब से हो, का कॉल ऑप्शन खरीद लेता है। इस स्थिति में उसे एक प्रीमियम (मान लें, 10 रुपये) देना होता है। यदि सोया ऑयल का भाव 700 से ऊपर चला जाता है, तो वह अपने ऑप्शन को एक्सरसाइज कर बाजार से डिलीवरी ले लेता है। यदि भाव 700 के नीचे ही रहता है, तो वह बाजार से सस्ती दर पर सोया ऑयल खरीद सकता है। किसी भी मामले में उसे दिए गए प्रीमियम (इस मामले में 10 रुपये) का ही नुकसान होगा।



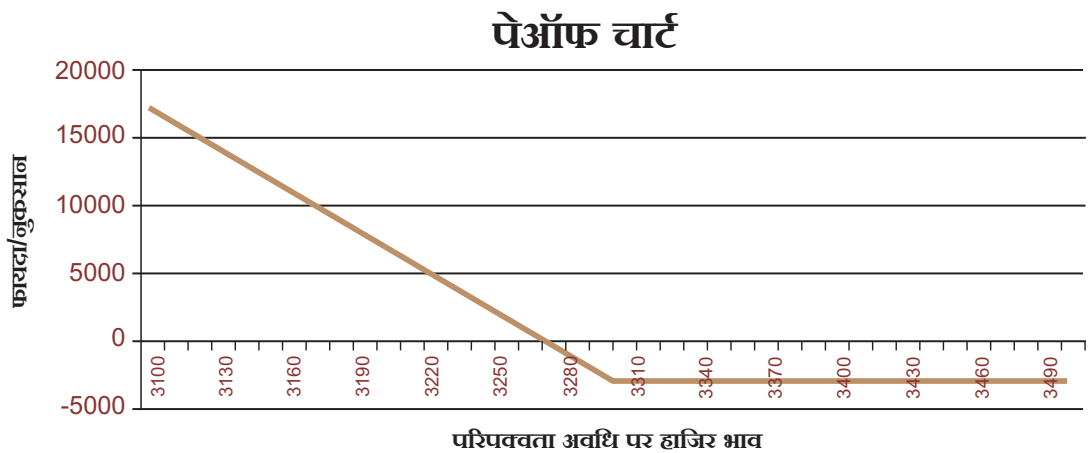
## स्थिति 2 : कॉल की बिक्री (राइटिंग)

एक स्टॉक है, जो बाजार के ऊपर बढ़ने की उम्मीद कर रहा है। लेकिन उसे भरोसा है कि भाव 3,300 रुपये से ज्यादा नहीं जाएगा। दाम बढ़ने की स्थिति में वह स्टॉक की वैल्यू में होने वाली बढ़ोतरी के अलावा कुछ और आमदनी कमाना चाहता है। वह 3,300 रुपये का कॉल ऑप्शन बेचता है और उस पर मिलने वाला प्रीमियम (मान लें, 40 रुपये) कमाता है। यदि बाजार भाव 3300 रुपये से नीचे जाता है, तो उसे 40 रुपये की कमाई होगी, क्योंकि खरीदार अपना ऑप्शन एक्सरसाइज नहीं करेगा। उस नुकसान होना तब शुरू होगा, जब भाव 3340 रुपये से ऊपर जाना शुरू होगा।



## स्थिति 3 : पुट की खरीद

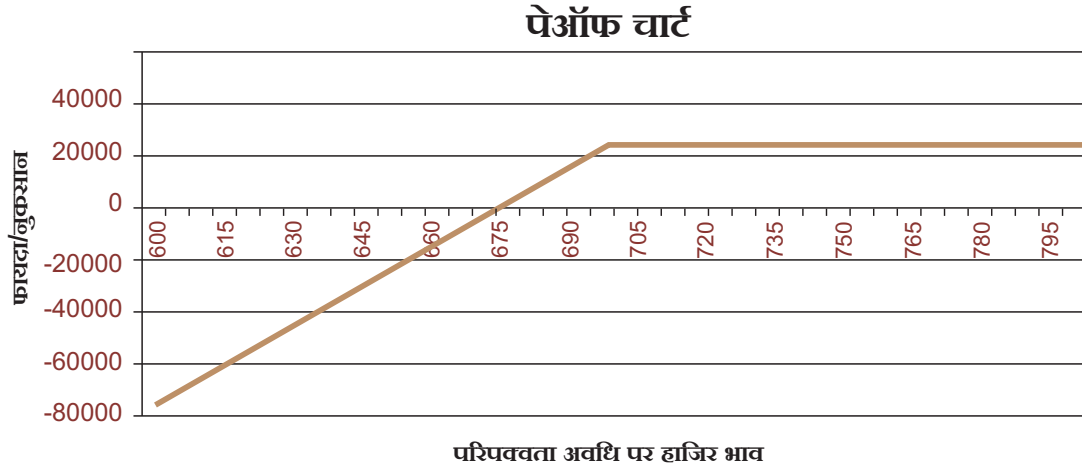
एक सोयाबीन किसान है जो अपनी उपज के लिए एक न्यूनतम बिक्री सुनिश्चित करना चाहता है। साथ ही वह मार्जिन और एमटीएम के खंडों में भी नहीं फंसना चाहता। साथ ही वह कटाई के समय कीमतों में आने वाली किसी भी संभावित तेजी का फायदा भी उठाना चाहता है। इस स्थिति में वह किसी स्ट्राइक प्राइस (मान लें 3300 रुपये) का पुट ऑप्शन खरीद सकता है। यह वो कीमत है, जिस पर वह अपना स्टॉक बेचना चाहता है। यह पोजीशन लेने के लिए उसे कुछ प्रीमियम (मान लें 30 रुपये) देना होता है। ऐसा कर वह सोयाबीन का भाव गिरने की स्थिति में अपनी उपज का बिक्री भाव 3,300 रुपये पर फिक्स कर लेता है। यदि कीमतें ऊपर जाती हैं, तो अपना ऑप्शन एक्सरसाइज न कर अपना माल सीधे बाजार में बेच सकता है।



## NCDEX

### स्थिति 4 : पुट बेचना (सइटिंग)

एक्सवार्डेज लिमिटेड, जो कि सोया ऑयल का प्रोसेसर है और दो महीने बाद सोया ऑयल का निर्यात करना चाहता है, वह 700 स्ट्राइक प्राइस का पुट राइट करेगा और खरीदा से 25 रुपये का प्रीमियम हासिल कर लेगा। उसके सामने जोखिम इस बात का होगा कि कहीं सोया ऑयल की कीमतें बढ़ न जाए (मूल्य में सीमित उछाल का लक्ष्य)।



### ऑप्शन प्रीमियम को प्रभावित करने वाले कारक

मानदंडों में बढ़ोतरी का असर	कॉल ऑप्शन का प्रीमियम	पुट ऑप्शन का प्रीमियम
एसेट प्राइस	बढ़ोतरी	कमी
एक्सरसाइज प्राइस	कमी	बढ़ोतरी
एक्सपायरी में समय	बढ़ोतरी	बढ़ोतरी
वोलैटिलिटी	बढ़ोतरी	बढ़ोतरी
जोखिम मुक्त दर	बढ़ोतरी	कमी



### **National Commodity & Derivatives Exchange Limited**

Akruti Corporate Park, 1st Floor, Near G.E. Garden, L.B.S. Marg, Kanjurmarg (West), Mumbai - 400 078.

T: +91-22-6640 6789 | F: +91-22-6640 6899 | Toll Free: 1800 26 62339 | E: askus@ncdex.com | W: www.ncdex.com



TrustNCDEX



@ncdex



/TrustNCDEX

Disclaimer: Trading in commodities contracts is subject to inherent market risks and the traders/investors should understand and consult their financial advisers before trading/investing. The contents in this publication are for guidance only and should not be treated as recommendatory or de-nitive. Neither NCDEX nor the NCDEX IPF Trust or their a liates, associates, representatives, directors, employees or agents shall be responsible in any manner to any person or entity for any decisions or actions taken on the basis of this publication. No part of this publication may be redistributed or reproduced without written permission from NCDEX.

CIN: U51909MH2003PLC140116